B.Com. (Part-II) Examination, 2016

(10+2+3 Pattern) (Faculty of Commerce)

ACCOUNTANCY AND BUSINESS STATISTICS

First Paper : Income Tax

Time : Three Hours Maximum Marks : 100

There will be five questions in all. The candidate will require to attempt all the questions, selecting one question from each unit with an internal choice (either/or).

कुल पाँच प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ दिये हैं। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्न हल करने हैं।

UNIT-I/इकाई-I

1. What is Income? Explain the fundamental principles of determining income.
आय क्या है? आय-निर्धारण के मूलभूत सिद्धान्तों का उल्लेख कीजिये।

Or

How is residence of assessee determined for Income-tax purpose? What are the different categories in which an individual assessee can be divided with regard to residence?
आयकर के उद्देश्य के लिए करदाताओं का निवास स्थान किस प्रकार निर्धारित किया जाता है? व्यष्टि करदाता को निवास स्थान के आधार पर कितनी श्रेणियों में विभक्त किया जा सकता है?

UNIT-II/इकाई-II

2. Mr. *X* is the manager of a company at Calcutta since 1 Jan., 1997. The number of employees in the company is eight in all. He is getting a salary of Rs. 50,000 p.m. plus a D.A. 20% of his basic pay, half of which entres into all retirement benefits. He contributes 10% of his salary and one half of D.A. to unrecognised provident fund to which his employer contributes an equal amount. On 1 June, 2014 he took a loan of Rs. 1,00,000 from his provident with rent-free house owned by the company, the fair rent of which is ₹ 60,000 p.a. He is getting medical allowance of ₹ 1,000 p.m. and servant allowance of ₹ 1,000 p.m. His club bills of ₹ 15,000 were also paid by the company.
He had been provided with a facility of a cook who is paid ₹ 1,500 p.m. by the employer. He is also provided a car of 1.6 litre (C.C.) by the employer for official use only. Two children of Mr. *X* are studying in the institution run by the employer for which no fees are paid. Normal expenditure per student in such institution is ₹ 500 per month.
He retired on 1st September, 2014. He received ₹ 6,50,000 for encashment of leave on 1st Sept. 2014 being 12 months leave not availed of. As per the rule of the company, Mr. *X* was entitled to 45 days leave for each year of service. He also received ₹ 5,50,000 as gratuity from the employer on the same date. On 1st October, 2014 he received ₹ 90,000 being the balance of his provident fund account after deducting the amount of loan. Compute Mr. *X*'s income from salary for the assessment year 2015-16 assuming that his salary is due on the first day of the next month.

मिस्टर *X* 1 जनवरी, 1997 से कलकत्ते में एक कम्पनी मे मैनेजर हैं जिसमें कुल 8 कर्मचारी हैं। वह 50,000 प्रतिमाह वेतन प्रात करता है तथा उसे अपने मूल वेतन का 20% महँगाई भत्ता मिलता है जिसमे से आधा उसके सभी निवृत्ति लाभों में जोड़ा जाता है। वह अप्रमाणित भविष्य निधि में अपने वेतन तथा आधे महँगाई भत्ते का 10% अंशदान करता है जिसमें उसका नियोक्ता भी समान अंशदान करता है। 1 जून, 2014 को उसने अपनी पुत्री के विवाह के लिए अपनी भविष्य निधि में से ₹ 1 लाख ऋण लिया। उसे कम्पनी के स्वामित्व वाले एक किराये से मुक्त मकान की सुविधा मिली हुई है, जिसका उचित-किराया ₹ 60,000 वार्षिक है। उसे ₹ 1,000 प्रतिमाह चिकित्सा भत्ता तथा ₹ 1,000 प्रतिमाह नौकर भत्ता मिल रहा है। उसके ₹ 15,000 के क्लब के बिलों का भी भुगतान कम्पनी ने किया। उसे एक रसोइए की सुविधा भी दी गई है जिसे ₹ 1,500 प्रतिमाह नियोक्ता द्वारा भुगतान किया जाता है ।ड से 1.6 लीटर क्षमता की एक कार भी नियोक्ता ने केवल कार्यालय प्रयोग के लिए दे रखी है। मिस्टर *X* के दो बच्चे नियोक्ता द्वारा चलाये जाने वाले विद्यालय में शिक्षा पा रहे हैं। जिसके लिए वह कोई फीस नहीं देता है। ऐसे ही अन्य विद्यालय में प्रति छात्र सामान्य व्यय ₹ 500 प्रतिमाह होता है।

वह 1 सितम्बर, 2014 को सेवानिवृत्त हुआ। उसे 1 सितम्बर, 2014 को अवकाश के नकदीकरण के रूप में ₹ 6,50,000 प्राप्त हुआ जो 12 माह का अवकाश न प्रयोग करने का है। कम्पनी के नियमों के अनुसार मिस्टर *X* प्रत्येक वर्ष की सेवा के लिए 45 दिन के अवकाश का अधिकारी था। इसी तिथि को उन्हें ₹ 5,50,000 उपदान के भी प्राप्त हुये। 1 अक्टूबर, 2014 को उनके भविष्य निधि खाते से उनके द्वारा लिये गये ऋण को काटकर ₹ 90,000 प्राप्त हुये। कर-निर्धारण वर्ष 2015-16 के लिए मिस्टर *X* की वेतन से आय की गणना कीजिये। यह मान लीजिये कि उनका वेतन सम्बन्धित माह से अगले माह के पहले दिन प्राप्त होता है।

Or

Nirmala is owner of two houses at Jaipur. Details regarding both houses are as follows :
निर्मला जयपुर में दो मकानों की स्वामिनी हैं। दोनों मकानों के सम्बन्ध में विस्तृत विवरण निम्न है :

Details	Ist House ₹	II House ₹
Fair rent	1,50,000	1,92,000
Municipal valuation	1,40,000	1,44,000
Standard Rent	1,20,000	1,56,000
Rent per month	8,000	12,000
Property vacant	For 1/5 year	For 2 months
Municipal Taxes	10% of M.V.	10% of M.V.
M.T. Paid by	owner	Tenant
Loan to construct house	₹ 1,00,000	₹ 10,00,000
Loan obtained on	7 Nov., 2013	1 April, 2012
House constructed on	1 April, 2014	1 June, 2014
Rate of Interest	10% p.a.	10% p.a.
Unrealised Rent	NIL	2 Months

Find taxable income from house property for the assessment year 2015-16.
कर-निर्धारण वर्ष 2015-16 के लिए उनकी मकान सम्पत्ति से कर योग्य आय ज्ञात कीजिये।

UNIT-III/इकाई-III

3. Dr. Ratan is a registered medical practitioner. He has prepared the following income and expenditure Account.

Expenses	₹	Income	₹
Household exps.	20,000	Consultation fees	10,000
Car purchased	30,000	Visiting fees	20,000
Travelling exp.		Gain on race (gross)	10,000
(Personal)	4,000	Sale of ancestral house	34,000
Donation	1,000	Profit on sale of securities	6,000
Income tax penalty	2,000	Divident on shares	5,000
Salaries	8,000	Interest on saving bank	
Gift to daughter	7,000	of post-office	600
Establishment exps.	1,000	Gift from father-in-law	2,000
Surgical equipments	4,000	Interest on fixed deposit	1,300
Books	1,200	Bad debts recovered	
L.I.C. Premium	2,000	(Not allowed in earlier	
Wealth tax	1,000	years)	2,000
Interest on Capital	1,000		
Surplus	8,700		
	90,900		90,900

Rate of depreciation on car and surgical equipments is 15%. Compute his income from Profession for the assessment year 2015-16.
मोटरकार तथा शल्यकर्म यंत्रों पर स्वीकृत ह्रास 15% है। कर-निर्धारण वर्ष 2015-16 के लिये उसकी व्यवसाय से आय की गणना कीजिये।

Or

Mr. Chetan sold a house property on Nov. 1, 2014 for ₹ 18,62,500. He had entered into an agreement to sell the property to another buyer on May 1, 2004 for ₹ 9,55,000 and received ₹ 55,000 as an advance, but the prospective buyer could not keep his promise and failed to pay the balance amount within time of 2 months and as per agreement Chetan forfeited the advance amount and did not return to him.
Mr. Chetan got this property in gift on June 1, 1985 from his friend, Manoj. Manoj also entered into an agreement with Ashok to sell this property on Oct. 1, 1983 and received a sum of ₹ 10,000 as an advance from him. Ashok also could not keep his promise and the advance money was forfeited by Mr. Manoj. Manoj purchased the property on May 1, 1975 for ₹ 1,00,000. On 13th April, 2014 he once again entered into negotiations for sale of the said property to Mr. Mukesh and received ₹ 2,00,000 as advance. The transfer did not materialised and hence the advance was forfeited. Mr. Manoj and Mr. Chetan incurred the following expenses for additions, and renewals of the property :

	₹
Addition of one room by Manoj during 1977-78	20,000
Addition of first floor by Manoj during 1983-84	44,000
Addition of second floor by Chetan during 1990-91	1,26,500
F.M.V. of property on 1-4-1981	1,26,500

The cost inflation index for the year 1983-84, 1985-86 and 1990-91 are 116, 133 and 182 respectively. Compute the amount taxable under the head 'Capital gain' of Mr. Chetan for the assessment year 2015-16.
श्री चेतन ने एक मकान सम्पत्ति 1 नवम्बर, 2014 को ₹ 18,62,500 में विक्रय की। उसने इस सम्पत्ति को 1 मई, 2004 को एक अन्य क्रेता को ₹ 9,55,000 में बेचने का ठहराव किया था तथा ₹ 55,000 की राशि अग्रिम के रूप में प्राप्त की थी। परन्तु वह व्यक्ति अपने वायदे को नहीं निभा सका तथा उसने निर्धारित अवधि 2 माह में शेष राशि का भुगतान नहीं किया। चेतन ने अग्रिम राशि को जब्त कर लिया तथा उस व्यक्ति को वापस नहीं लौटाया।
श्री चेतन को यह मकान सम्पत्ति अपने मित्र मनोज से 1 जून, 1985 को उपहार में मिली थी। मनोज ने भी 1 अक्टूबर, 1983 को इस सम्पत्ति को बेचने का ठहराव श्री अशोक से किया था तथा ₹ 10,000 की राशि अग्रिम प्राप्त की थी। परन्तु अशोक भी अपने वायदे को निभा नहीं सका था और अग्रिम की राशि श्री मनोज द्वारा जब्त कर ली गई थी। श्री मनोज ने इस मकान सम्पत्ति को 1 मई, 1975 को ₹ 1,00,000 में खरीदा था। 13 अप्रैल, 2014 को एक बार पुन: श्री मुकेश के साथ इस सम्पत्ति को बेचने का सौदा किया गया एवं ₹ 2,00,000 अग्रिम के रूप में प्राप्त किये गये। हस्तान्तरण मूर्त रूप नहीं ले सका इसलिये अग्रिम राशि जब्त कर ली गई। श्री मनोज एवं श्री चेतन द्वारा इस सम्पत्ति के परिवर्तन, नवीनीकरण एवं वृद्धि पर निम्न व्यय किये गये थे :

	₹
मनोज द्वारा 1977-78 में एक कमरा बनवाने पर व्यय	20,000
मनोज द्वारा 1983-84 में पहली मंजिल बनवाने पर व्यय	44,000
चेतन द्वारा 1990-91 में दूसरी मंजिल बनवाने पर व्यय	1,26,500
1-4-1981 को सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य	1,26,500

लागत वृद्धि सूचकांक वर्ष 1983-84, 1985-86 एवं 1990-91 के लिए क्रमश: 116, 133 एवं 182 है।
कर-निर्धारण वर्ष 2015-16 के लिए श्री चेतन की पूँजी लाभ शीर्षक की कर-योग्य राशि की गणना कीजिये।

UNIT-IV/इकाई-IV

4. Mr. *X* is employed in a Private concern at Ajmer on a fixed salary of ₹ 3,000 per month. Following are the particulars of his other incomes for the previous year 2014-15 :

Interest received on unlisted debentures in Dec. 2014	37,800
Long term capital gain (Computed)	20,000

During the previous year has made the following payments :
Rent of house occupied ₹ 1,000 per month.
Donation to charitable institutions ₹ 10,000

During the previous year he spent ₹ 23,000 on the treatment of his wife. Compute the total income of Mr. *X* for the assessment year 2015-16.

मिस्टर *X* अजमेर में एक निजी प्रतिष्ठान में ₹ 3,000 प्रतिमाह के स्थिर वेतन पर नियुक्त हैं। इनकी गत वर्ष 2014-15 की अन्य आयों का विवरण निम्न प्रकार है :

असूचित ऋण-पत्रों से दिसम्बर, 2014 में प्राप्त ब्याज	37,800
दीर्घकालीन पूँजी लाभ (आकलित)	20,000

उन्होंने गत वर्ष में निम्न राशियों का भुगतान किया है :

रहने के मकान के किराये के सम्बन्ध में ₹ 1,000 प्रतिमाह, पुण्यार्थ शिक्षण संस्थाओं को ₹ 10,000 का दान।

गत वर्ष में उन्होंने पत्नी के इलाज पर ₹ 23,000 के व्यय किये।

कर-निर्धारण वर्ष 2015–16 के लिए मि. *X* की कुल आय की गणना कीजिये।

Or

From the following particulars of Mr. Ram for the assessment year 2015-16, you are required to find out his taxable Income and Net tax liability :

		₹
(i)	Net salary received	7,07,300
(ii)	Tax deducted by the employer from salary	92,700
(iii)	Gross receipts from cultivation and processing of tea	85,000
(iv)	Expenses of tea business	10,000
(v)	Deposited in Tea, Coffee, Rubber Development A/c in previous year	15,000

श्री राम के निम्न विवरण से कर-निर्धारण वर्ष 2015–16 के लिए उनकी कुल आय एवं शुद्ध कर दायित्व की गणना कीजिये :

		₹
(i)	शुद्ध वेतन प्राप्त किया	7,07,300
(ii)	वेतन से नियोक्ता द्वारा काटा गया कर	92,700
(iii)	चाय के उत्पादन एवं प्रक्रिया से सकल प्राप्ति	85,000
(iv)	चाय व्यवसाय के व्यय	10,000
(v)	गत वर्ष में चाय, कॉफी एवं रबर विकास खाते में जमा कराये	15,000

UNIT-V/इकाई-V

5. Profit and Loss account of Sharma and Co. (a Partnership firm of C.A.) for the year ending 31st March, 2015 is as follows :

शर्मा एण्ड कम्पनी (सी.ए.फर्म) का 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभ-हानि खाता निम्नांकित है :

	₹		₹
Expenses	85,000	Audit fees	80,000
Depreciation	30,000	Receipt from clients for tax advice	1,70,000
Interest on capital to Partners	10,000	Net Loss	50,000
Remuneration to partners	1,75,000		
	3,00,000		3,00,000

Other informations are as follows :

(i) Out of expenses of ₹ 85,000, ₹ 15,000 is not deductible under Section 36, 37 (1) and 43 B.

(ii) Depreciation allowable under Section 32 is ₹ 32,000.

(iii) Interest to the extent of ₹ 1,000 is not deductible under Section 40 (b).

Compute the remuneration deductible under Section 40 (b).

अन्य सूचनायें निम्न हैं :

(i) ₹ 85,000 के व्ययों में से ₹ 15,000 के व्यय धारा 36, 37 (1) और 43 B के तहत कटौती योग्य नहीं है।

(ii) धारा 32 के तहत ह्रास की स्वीकृत-योग्य राशि ₹ 32,000 है।

(iii) पूँजी पर ब्याज की राशि में ₹ 1,000 का ब्याज धारा 40 (b) के तहत कटौती योग्य नहीं है।

धारा 40 (b) के तहत साझेदारों के पारिश्रमिक के सम्बन्ध में कटौती योग्य राशि की गणना कीजिये।

Or

Discuss the salient features of assessment of Hindu Undivided Family under the Income Tax Act, 1961.

भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत हिन्दू अविभाजित परिवार के कर-निर्धारण के प्रमुख तत्त्वों का विवेचन कीजिये।